



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण

EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (ii)

PART II—Section 3—Sub-section (ii)

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 1125]

नई दिल्ली, शुक्रवार, अप्रैल 21, 2017/वैशाख 1, 1939

No. 1125]

NEW DELHI, FRIDAY, APRIL 21, 2017/VAISAKHA 1, 1939

वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय

(वाणिज्य विभाग)

[विदेश व्यापार महानिदेशालय]

अधिसूचना

नई दिल्ली, 21 अप्रैल, 2017

संख्या 4/2015-2020**विषय : विदेश व्यापार नीति 2015-2020 के पैरा 3.18 (क) में संशोधन।**

का.आ. 1268(अ).—यथा संशोधित विदेश व्यापार नीति, 2015-20 के पैरा 1.02 के साथ पठित विदेश व्यापार (विकास एवं विनियमन) अधिनियम, 1992 की धारा 5 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्र सरकार, एतद्वारा विदेश व्यापार नीति 2015-2020 में तत्काल प्रभाव से निम्नलिखित संशोधन करती है:—

वर्तमान में विदेश व्यापार नीति 2015-20 का पैरा 3.18 (क) इस प्रकार है:

“इस नीति के अध्याय 4 और 5 के तहत जारी प्राधिकार पत्रों के अधीन निर्यात दायित्व चूक के मामले में सीमा शुल्क भुगतान के लिए शुल्क क्रेडिट स्क्रिप का प्रयोग/डेबिट किया जा सकता है। ऐसा उपयोग/प्रयोग उन वस्तुओं के संबंध में होगा जो इन संबंधित रिवार्ड स्कीमों के तहत आयात करने के लिए अनुमत है। तथापि, जुर्माना/ब्याज का भुगतान नकद करना होगा।”

संशोधन के पश्चात विदेश व्यापार नीति 2015-20 के संशोधित पैरा 3.18 (क) को इस प्रकार पढ़ा जाएगा:

“विदेश व्यापार नीति के अध्याय 4 और 5 के तहत जारी प्राधिकार पत्रों के अधीन निर्यात दायित्व चूक के मामले में सीमा शुल्क भुगतान के लिए शुल्क क्रेडिट स्क्रिप का प्रयोग/डेबिट किया जा सकता है। ऐसा उपयोग/प्रयोग उन वस्तुओं के संबंध में होगा जो इन संबंधित रिवार्ड स्कीमों के तहत आयात करने के लिए अनुमत है। तथापि, जुर्माना/ब्याज का भुगतान नकद करना होगा।”

इस अधिसूचना का प्रभाव:— पिछली विदेश व्यापार नीतियों के अध्याय 4 और 5 के तहत जारी प्राधिकार पत्रों के अधीन भी निर्यात दायित्व चूक के मामले में सीमा शुल्क भुगतान के लिए शुल्क क्रेडिट स्क्रिप का प्रयोग/डेबिट किया जा सकता है।

एफटीपी 2015-20 के पैरा 3.18 (क) में संशोधन कर लिया गया है जिससे कि निर्यात दायित्व चूक के मामले में सीमा शुल्क के भुगतान हेतु शुल्क क्रेडिट स्क्रिप्स के उपयोग के संबंध में अधिक स्पष्टता लाई जा सके।

ए. के. भल्ला, महानिदेशक, विदेश व्यापार

[फा. सं. 01/61/180/77/एम-16/पीसी-3]

MINISTRY OF COMMERCE & INDUSTRY

(Department of Commerce)

[DIRECTORATE GENERAL OF FOREIGN TRADE]

NOTIFICATION

New Delhi, the 21st April, 2017

No. 04/2015-2020

Subject: Amendment in Para 3.18(a) of FTP 2015-20.

S.O. 1268(E).—In exercise of the powers conferred by Section 5 of the Foreign Trade (Development and Regulation) Act, 1992, as amended, read with Para 1.02 of the Foreign Trade Policy, 2015-2020, the Central Government hereby makes the following amendments in the Foreign Trade Policy (FTP) 2015-2020 with immediate effect:

Presently, para 3.18 (a) of FTP 2015-20 reads as under:

“Duty Credit Scrip can be utilised / debited for payment of Custom Duties in case of EO defaults for Authorizations issued under Chapters 4 and 5 of this Policy. Such utilization/usage shall be in respect of those goods which are permitted to be imported under the respective reward schemes. However, penalty / interest shall be required to be paid in cash.”

After amendment the amended para 3.18 (a) of [FTP 2015-20](#) shall read as under:

“Duty Credit Scrip can be utilised / debited for payment of Custom Duties in case of EO defaults for Authorizations issued under Chapters 4 and 5 of Foreign Trade Policy. Such utilization /usage shall be in respect of those goods which are permitted to be imported under the respective reward schemes. However, penalty / interest shall be required to be paid in cash.”

Effect of this Notification: Duty Credit Scrip can be utilised / debited for payment of Custom Duties in case of EO defaults for Authorizations issued under Chapters 4 and 5 of previous FTPs as well. The Para 3.18 (a) of [FTP 2015-20](#) has been amended to bring more clarity on the utilization of Duty Credit Scrips for payment of Customs Duties in case of EO defaults.

A. K. BHALLA, Director General of Foreign Trade

[F. No. 01/61/180/77/AM-16/PC-3]